पेट्रोलियम उत्पादों के आयात के व्यय में वृद्धि

1039. **श्री रणजीत सिंह** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 30 मार्च, 1992 के "फाइनैंशियल एक्सप्रैस" में 1992-93 बिल टु गो अप बाइ रुपीज 4,300 क्रोर शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि 1992-93 के वर्ष में देश में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने वित्त मंत्रालय से 61.5 मिलियन टन के पेट्रोलियम उत्पादों के आयात की मंजूरी चाही है,

(घ) उक्त मात्रा में से कच्चे तेल की कितनी मात्रा का आयात किया जाएगा; और

(ङ) क्या आयात किए जाने वाले कच्चे तेल के शोधन के लिए देश में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, वर्ष 1992-93 के लिए लगभग 61.5 एम एम टी पेट्रोलियम उत्पादों की मांग होने का अनुमान है। वास्तविक खपत अनेक तत्वों पर निर्भर करेगी जिसमें आर्थिक कार्य का स्तर, विदेशी मुद्रा की उपलब्धता आदि शामिल है ।

(घ) वर्ष 1992-93 के दौरान लगभग 26.7 एम एम टी कच्चे तेल के आयात की संभावना है ।

(ङ) जी हां ।

पेट्रोलियम उत्पादों की खपत

1040. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1994-95 में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में लगभग 77 मिलियन टन की वृद्धि होने का अनुमान है ;

(ख) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में सरकार द्वारा स्थापित की जाने वाली प्रस्तावित शोधन क्षमता कितनी है; और

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के अंत में देश में प्रतिस्थापित शोधन क्षमता कितनी थी और आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत में अनुमानित शोधन क्षमता कितनी होगी ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) 1994-95 में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत अनुमानतः 69 मिलियन मीट्रिक टन होने की सम्भावना है ।

(ख) और (ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति पर देश में संशोधन क्षमता 51.85 एम एम टी पी ए थी। आठवीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति पर शोधन क्षमता अनुमानतः 73 एम एम टी पी ए होगी ।

कच्चे तेल के छोटे कुंड (पूल)

1041. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा** :
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पता लगाए गए कच्चे तेल के भंडारों के निकटस्थ तथा

दूरस्थ क्षेत्रों में कच्चे तेल के छोटे-छोटे कुंड (पूल) स्थित हैं,

(ख) यदि हां, तो देश में ऐसे छोटे कुंडों की संख्या कितनी है और इन कुंडों में कच्चे तेल की कितनी मात्रा के होने का अनुमान है;

(ग) क्या यह सच है कि इन कुंडों में से अभी तक कच्चा तेल नहीं निकाला गया है, और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और सरकार इस मामले में क्या कदम उठा रही है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (घ) जी, हां। देश में 75 छोटे क्षेत्र हैं जिनमें लगभग 72.22 मिलियन टन वसूली योग्य भंडार है। 26 क्षेत्रों में उत्पादन पहले ही आरंभ हो गया है। राष्ट्रीय तेल कम्पनियों द्वारा कुछ अतिरिक्त क्षेत्रों का विकास प्रस्तावित है और ऐसे क्षेत्रों के विकास में भागीदारी के लिए निजी घरेलू/विदेशी निवेशकों को अनुमति देने के लिए सैद्धांतिक तौर पर निर्णय लिया गया है।

खाना पकाने की गैस के कनेक्शनों की प्रतीक्षा सूची

1042. **श्री राघवजी** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 मार्च, 1992 की स्थिति के अनुसार खाना पकाने की गैस के कनेक्शनों की प्रतीक्षा-सूची में राज्यवार कितने-कितने आवेदन थे, और

(ख) उन्हें खाना पकाने की गैस के कनेक्शन कब तक दिए जाने की संभावना है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) 1.1.1992 की स्थिति के अनुसार अपेक्षित जानकारी देते हुए एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ख) अधिकतम आवेदकों को एल० पी० जी० कनेक्शन यथाशीघ्र देने के प्रयास लगातार किये जाते हैं।

विवरण

एल०पी०जी० कनेक्शनों की प्रतीक्षा सूची में आवेदनों की राज्यवार संख्या

(लाख में)

क्र०सं०	राज्य	कुल
1	आन्ध्र प्रदेश	4.80
2	अरुणाचल प्रदेश	0.11
3	असम	0.87
4	बिहार	1.91
5	गोआ	0.57
6	गुजरात	5.59
7	हरियाणा	3.19
8	हिमाचल प्रदेश	0.45
9	जम्मू और कश्मीर	0.67
10	कर्नाटक	3.41
11	केरल	2.88
12	मध्य प्रदेश	3.69
13	महाराष्ट्र	13.45
14	मणिपुर	0.16
15	मेघालय	0.05
16	मिजोरम	0.05
17	नागालैंड	0.10
18	उड़ीसा	0.64
19	पंजाब	4.20
20	राजस्थान	5.96
21	सिक्किम	0.01
22	तमिलनाडु	7.50
23	त्रिपुरा	0.17
24	उत्तर प्रदेश	10.53
25	पश्चिमी बंगाल	6.70
	संघ राज्य क्षेत्र	
1	अंडमान और निकोबार	0.04
2	चंडीगढ़	0.85
3	दादर और नागर हवेली	0.01
4	दिल्ली	6.05
5	दमन	0.02
6	लक्ष द्वीप	0.00
7	पांडिचेरी	0.19